Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
PGDVD-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019

P.G. Diploma in Vaidik Darshan, (Semester: Second)

Philosophy

दर्शन स्मरण

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्याय दर्शन के अनुसार किस प्रकार अपवर्ग की प्राप्ति की जा सकती है? प्रमाण देते हुए क्रमशः वर्णन करें।
2. न्याय दर्शन के अनुसार विद्या कितने प्रकार की होती है? कौन–कौन सी है? न्याय दर्शन किस विद्या के अन्तर्गत आता है?
3. वैशेषिक दर्शनानुसार गुण व कर्म कितने व कौन–कौन से हैं? सप्रमाण विस्तार से लिखें।
4. वेदान्तानुसार कोई तीन प्रमाण देकर प्रमाणित करें कि जगत की उत्पत्ति में ब्रह्म निमित्त कारण है तथा प्रकृति उपादन कारण है।
5. मीमांसा दर्शन का एक संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. न्यायदर्शनानुसार प्रमेय कितने हैं? प्रत्येक का लक्षण लिखकर बतायें।
2. छल किसे कहते हैं? यह कितने प्रकार का है?
3. कणाद ऋषि के अनुसार धर्म की परिभाषा बताते हुए, द्रव्यों के प्रकार का वर्णन करें।
4. "सदनित्यं द्रव्यवत् कार्यं कारणं सामान्यविशेषवदितिद्रव्यगुणकर्मणामविशेषः" इस सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
5. वेदान्त दर्शन का प्रमाण देकर बतायें कि सर्वत्र अध्यात्म ग्रन्थों में ब्रह्म उपास्य तथा ध्यान दृष्टि से प्राप्त करने योग्य है।
6. मीमांसा शास्त्र के भाष्यकारों का परिचय देते हुए इस शास्त्र का प्रयोजन भी स्पष्ट करें।

खण्ड–स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पॉच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(5×1=05)**

1. प्रमाण किसे कहते हैं ?
2. गौतम ऋषि के अनुसार कितने तत्त्वों के यथार्थ बोध से निःश्रेयस की प्राप्ति हो सकती है?
3. कणाद ऋषि के अनुसार आत्मा का लक्षण क्या है?
4. प्रस्थानत्रयी क्या है?
5. मीमांसा शास्त्र में कितने अध्याय एवं कितने पाद हैं?

----------X----------